पाठ – वह चिड़िया जो

शब्दार्थ –

1. जुंडी - ज्वार की बालियाँ
2. रूचि से - चाव से
3. कंठ – गला
4. बूढ़े वन-बाबा - पुराना-घना वन
5. रस उँड़ेलकर - मीठी आवाज
6. विजन – एकांत
7. चढ़ी नदी - जल से भरी
8. दिल टटोलकर - बीच से
9. जल का मोती - पानी की बूँदें
10. गरबीली - गर्व करने वाली

प्रश्न-अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1. कविता पढ़कर तुम्हारे मन में चिड़िया का जो चित्र उभरता है उस चित्र को कागज़ पर बनाओ।

उत्तर-

कविता पढ़कर हमारे मन में निम्नलिखित चित्र उभरते हैं-

वह नीले पंखोंवाली सुंदर चिड़िया है।

चिड़िया मधुर स्वर में जंगल में गाती है।

वह बहती नदी का पानी पीती है।

चिड़िया का आकार छोटा है।

उसे आज़ादी बहुत पसंद है।

egyanarchive

प्रश्न 2. तुम्हें कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो।

उत्तर-

'नन्ही चिड़िया', 'सुंदर चिड़िया' या 'परिश्रमी चिड़िया'

प्रश्न 3. इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उत्तर-

इस कविता के आधार पर ज्ञात होता है कि चिड़िया को –

1. दूध भरे अनाज के दानों, नदी तथा जंगल से प्यार है।
2. चिड़िया जुडी के दाने एवं अन्य अनाज के दानों को खाना पसंद करती है।
3. इस चिड़िया को गीत गाना पसंद है।
4. जंगल से इसे बहुत प्यार है।
5. यह नदी से भी बहुत प्यार करती है।

प्रश्न 4. आशय स्पष्ट करो

(क) रस उँडेलकर गा लेती है।

(ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर जल का मोती ले जाती है।

उत्तर-

(क) चिड़िया जंगल में जब अकेली होती है, तब वह बिना किसी डर और संकोच के उन्मुक्त भाव से गाती है। वह मधुर स्वर में गाती है। उसके स्वर की मधुरता वातावरण में रस घोल देती है।

(ख) छोटी चिड़िया चढ़ी हुई नदी से बिलकुल भी नहीं घबराती है। वह उफनती नदी के बीच से अपनी चोंच में पानी की बूंद लेकर उड़ जाती है। यानी लबालब भरी नदी की जलराशि का अनुमान लगाकर उस जलराशि में से जल का मोती निकाल लाती है अर्थात उसी पानी से चिड़िया अपनी प्यास बुझाती है, इसीलिए पानी मोती की तरह अमूल्य है।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. कवि ने नीली चिड़िया का नाम नहीं बताया है। वह कौन सी चिड़िया रही होगी? इस **प्रश्न** का **उत्तर** जानने के लिए पक्षी-विज्ञानी सालिम अली की पुस्तक 'भारतीय पक्षी' देखो। इनमें ऐसे पक्षी भी शामिल हैं जो जाड़े में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से भारत आते हैं। उनकी पुस्तक को देखकर तुम अनुमान लगा सकते हो कि इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद इनमें से कोई एक रही होगी-

- नीलकंठ
- छोटा किलकिला
- कबूतर
- बड़ा पतरिंगा

उत्तर-

इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद नीलकंठ रही होगी, क्योंकि उसके शरीर के ज्यादातर भाग का रंग नीला आकार छोटा तथा आवाज़ मीठी होती है।

egyanarchive

प्रश्न 2.

नीचे कुछ पक्षियों के नाम दिए गए हैं। उनमें यदि कोई पक्षी एक से अधिक रंग का है तो लिखो, कि उसके किस हिस्से का रंग कैसा है। जैसे तोते की चोंच लाल है, शरीर हरा है।

- मैना
- कौआ
- बैतखे
- कबूतर

उत्तर-

1. मैना- मैना के पंख भूरे व सफ़ेद रंग के होते हैं। उनकी टाँगें हलकी लाल होती हैं।
2. कौआ- कौआ का पूरा शरीर काला होता है।
3. बतख- बतख सफ़ेद रंग का होता है। इसके पैर हल्के गुलाबी रंग के होते हैं।
4. कबूतर- कबूतर का रंग स्लेटी सफ़ेद होता है। गरदन कुछ-कुछ नीले रंग की होती है। इसकी टाँगे लाल होती हैं।

प्रश्न 3. कविता का हर बंध 'वह चिड़िया जो-' से शुरू होता है और मुझे बहुत प्यार है' पर खत्म होता है। तुम भी इन। पंक्तियों का प्रयोग करते हुए अपनी कल्पना से कविता में कुछ नए बंध जोड़ो।

उत्तर-

वह चिड़िया जो
चींची करके
सबका मन बहलाती है।
नील गगन की सीमा पाने
पंख पसारे उड़ जाती है।
अपना घर बनाने के लिए।
घास के तिनके लाती है।
वह परिश्रमी चिड़िया सबको
परिश्रम का पाठ सिखाती है।

egyanarchive

प्रश्न 4. तुम भी ऐसी कल्पना कर सकते हो कि 'वह फूल का पौधा जो-पीली पंखुड़ियों वाला-महक रहा है, मैं हूँ। उसकी विशेषताएँ मुझ में हैं …। फूल के बदले वह कोई दूसरी चीज़ भी हो सकती है जिसकी विशेषताओं को गिनाते हुए तुम उसी चीज़ से अपनी समानता बता सकते हो … ऐसी कल्पना के आधार पर कुछ पंक्तियाँ लिखो।

उत्तर-

वह फूल का पौधा जो–	*वह फूल का पौधा जो–*
हवा में झूलता	*खिलता-मुरझाता*
आँगन में खड़ा मुस्करा रहा है	*पर खुशबू से नाता सदा निभाता है*
खुशबू अपनी फैला रहा है	*मुरझाने पर भी सुगंध ही देता*
पीली पंखुड़ियों वाला पौधा मैं हूँ	*पीली पंखुड़ियों वाला वह पौधा मैं हूँ*
मुझे हवा से बहुत प्यार है।	*मुझे महक से बहुत प्यार है।*

भाषा की बात

प्रश्न 1. पंखोंवाली चिड़िया

नीले पंखोंवाली चिड़िया

ऊपरवाली दराज

सबसे ऊपरवाली दराज़

यहाँ रेखांकित शब्द विशेषण का काम कर रहे हैं। ये शब्द चिड़िया और दराज संज्ञाओं की विशेषताएँ बता रहे हैं, अतः | रेखांकित शब्द विशेषण हैं और चिड़िया, दराज विशेष्य हैं। यहाँ 'वाला/वाली' जोड़कर बनने वाले कुछ और विशेषण दिए गए हैं। ऊपर दिए गए उदाहरणों की तरह इनके आगे एक-एक विशेषण और जोड़ो।

……. मोरोंवाला बाग

…….. पेड़ोंवाला घर

…… फूलोंवाली क्यारी

…… स्कूलवाला रास्ता

…… हँसनेवाला बच्चा

…… मूंछोंवाला आदमी

उत्तर-

1. ……. मोरोंवाला बाग - सुनहरे मोरोंवाली बाग
2. …….. पेड़ोंवाला घर - हरे-भरे पेड़ोंवाला घर
3. …… फूलोंवाली क्यारी - पीले फूलोंवाली क्यारी
4. …… स्कूलवाला रास्ता - महात्मा गांधी स्कूलवाला रास्ता
5. …… हँसनेवाला बच्चा - अधिक हँसनेवाला बच्चा
6. …… मूंछोंवाला आदमी - घनी मूछोंवाला आदमी

egyanarchive

प्रश्न 2.वह चिड़िया …….. जुडी के दाने रुचि से …….. खा लेती है।

वह चिड़िया …… रेस उँडेलकर गा लेती है।

कविता की इन पंक्तियों में मोटे छापे वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो। पहले वाक्य में रुचि से खाने के ढंग की और दूसरे वाक्य में 'रस उँडेलकर' गाने के ढंग की विशेषता बता रहे हैं। अतः ये दोनों क्रियाविशेषण हैं। नीचे दिए वाक्यों में कार्य के ढंग या रीति से संबंधित क्रियाविशेषण शब्द छाँटो

1. सोनाली जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूसने लगी।
2. गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई।
3. भूकंप के बाद जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा।
4. कोई सफ़ेद-सी चीज़ धप्प-से आँगन में गिरी।
5. टॉमी फुर्ती से चोर पर झपटा।
6. तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गया।
7. आज अचानक ठंड बढ़ गई है।

उत्तर-

1. जल्दी-जल्दी
2. लुढ़कती हुई।
3. धीरे-धीरे
4. धप्प से
5. फुर्ती से
6. सहमकर
7. अचानक

egyanarchive